वृन्दावन के कृष्ण कन्हैया कब लोगे खबरिया भजन लिरिक्स

वृन्दावन के कृष्ण कन्हैया,
कब लोगे खबरिया,
द्वार तिहारे खड़ा मैं कबसे,
कब होगी नजरिया,
वृन्दावन के कृष्ण कन्हैंया,
कब लोगे खबरिया।bd।

तर्ज – नगरी नगरी द्वारे द्वारे।

जबसे लगन लगी है तेरी,
शरण तुम्हारे आए जी,
शरण तुम्हारे आए जी,
बाट निहारत थक गए नैना,
गीत खुशी के गाएँ जी,
गीत खुशी के गाएँ जी,
तेरे दरश की अभिलाषा में,
बीती रे उमरिया,
वृन्दावन के कृष्ण कन्हैंया,
कब लोगे खबरिया।bd।

ग्वाले गोपी मिलकर खेलें,
रास रचाये साथ में,
रास रचाये साथ में,
राधा जी संग झूला झूलें,
बंसी तेरे हाथ में,
बंसी तेरे हाथ में,
मैं विरहा की मारी रोऊँ,
कब आये सांवरिया,
वृन्दावन के कृष्ण कन्हैंया,
कब लोगे खबरिया।bd।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
सुर को श्यामल भाया जी,
सुर को श्यामल भाया जी,
अर्जुन के तुम मोहन प्यारे,
अद्भुत तेरी माया जी,
अद्भुत तेरी माया जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

‘सागर’ तेरे शरण में आया,
हो के रे बावरिया,
वृन्दावन के कृष्ण कन्हैंया,
कब लोगे खबरिया।bd।

वृन्दावन के कृष्ण कन्हैया,
कब लोगे खबरिया,
द्वार तिहारे खड़ा मैं कबसे,
कब होगी नजरिया,
वृन्दावन के कृष्ण कन्हैंया,
कब लोगे खबरिया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com